पहले पेज के शेष

104 रुपए महीने...

इन बच्चियों ने बताया कि पड़ोस के गांव में रहने वाला मंगरा राम व उसकी पत्नी जसिंता दिल्ली में रहते हैं। जसिंता दिल्ली में प्लेसमेंट एजेंसी चलाती है। 2 साल पहले मंगरा ने दोनों किशोरियों से बात की और अच्छा काम व पैसा दिलाने का लालच दिया। कच्ची उम्र की दोनों बच्चियां बहकावे में आ गईं। दोनों घर वालों को बिना बताए मंगरा के साथ दिल्ली चली गईं। मंगरा ने वहां उन्हें जसिंता की प्लेसमेंट एजेंसी के हवाले कर दिया। एजेंसी से दोनों को काम पर लगाया गया। इधर जब दोनों के परिजनों को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने दोनों बच्चियों को लाने की कोशिश की, पर उन्हें सफलता नहीं मिली।

कैसे दूर हो मानव तस्करी

-मानव तस्करी केवल कानूनी ही नहीं, सामाजिक समस्या है।

-गांवों में अशिक्षा, गरीबी और जागरुकता के अभाव है, जिसके कारण ये समस्या है।

-प्रशासन, पुलिस, सामाजिक संस्थाओं और बुद्धिजीवियों को साथ मिलकर एक योजना के तहत काम करने की जरूरत।

पुलिस इसे मानती है मानव तस्करी

-आर्थिक उद्देश्य के लिए किसी भी व्यक्ति को बहला-फुसलाकर, झांसा देकर या धोखे से एक स्थान से दूसरे स्थान भेजना।

इसी साल लाए गए 20 लोग

जशपुर से इसी साल 20 लोगों को बाहर से छुड़ाकर लाया गया है। करीब 50 प्रकरण दर्ज हैं। सूचना मिलने पर दलालों को पकड़ा जाता है और टीम निर्धारित स्थानों पर भेजी जाती है। समस्या ये है कि खुद पीड़ित ही डर के कारण रिपोर्ट नहीं लिखाते।

कीर्तन राठौड, डीएसपी